## Maithili - Good-Bad Mind Scriptures

## **Good Mind Scriptures**

- मरकुस 5:15 यीशु लग पहुँचि कऽ ओहि आदमी कैँ जकरा मे दुष्टात्मा पहिने रहैत छलैक कपड़ा पहिरने आ स्वस्थ मोने यीशु लग बैंसल देखलक। ई देखि लोक सभ भयभीत भऽ गेल।
- लूका 8:35 एहि पर लोक सभ देखबाक लेल आयल, और यीशु लग जखन पहुँचल तँ देखैत अछि जे ओ आदमी जकरा में सँ दुष्टात्मा निकिल गेल छल, से कपड़ा पहिरने आ स्वस्थ मोने हुनका पयर लग बैंसल अछि। ई देखि ओ सभ भयभीत भऽ गेल।
- मसीह-दूत 17:11 बिरीया निवासी यहूदी सभ थिसलुनिका निवासी यहूदी सभक अपेक्षा नम्र भावनाक छल, कारण ओ सभ बहुत उत्सुकता सँ प्रभुक शुभ समाचारक बात सुनलक आ प्रत्येक दिन धर्मशास्त्रक अध्ययन नीक जकाँ एहि लेल करेत छल जे, देखी, पौलुसक कहल बात एहि सँ मिलैत अछि वा निह।
- मसीह-दूत 20:19 बहुत नम्रतापूर्बक आ नोर बहा-बहा कऽ ओहि संकटक घड़ी मे, जे यहूदी सभक षड्यन्त्रक कारणेँ हमरा पर आयल छल, हम प्रभुक सेवा करेत रहतहुँ।
- रोमी 7:25 परमेश्वरक धन्यवाद होनि! वैह अपना सभक प्रभु यीशु मसीहक द्वारा हमरा छुटकारा दिऔताह। अतः एक दिस तँ हम अपना बुद्धि सँ परमेश्वरक नियमक दास छी, मुदा दोसर दिस अपना मानवीय पाप-स्वभाव सँ पाप-नियमक दास छी।
- रोमी 8:6 मानवीय पाप-स्वभावक इच्छा सभ पर मोन लगौनाइक परिणाम अछि मृत्यु, मुदा पवित्र आत्माक इच्छा पर मोन लगौनाइक परिणाम अछि जीवन आ शान्ति,
- रोमी 8:27 और परमेश्वर, जे अपना सभक हृदयक भेद केँ जनैत छथि, से जनैत छथि जे आत्माक अभिप्राय की छनि, कारण, आत्मा परमेश्वरक इच्छाक अनुसार हुनकर लोक सभक लेल विनती करैत छथि।
- रोमी 11:34 जेना कि धर्मशास्त्र में तिखत अछि, "प्रभुक्त मोन के जनतक अछि? हुनकर सल्ताहकार के भऽ सकत अछि?"
- रोमी 12:2 अहाँ सभ एहि संसारक अनुरूप आचरण निह करू, बिट्क परमेश्वर कैँ अहाँक सोच-विचार कैँ नव बनाबऽ दिऔन आ तिहना अहाँ कैँ पूर्ण रूप सँ बदित देबऽ दिऔन। एहि तरहेँ परमेश्वर अहाँ सभ सँ की चाहैत छिथ, अर्थात् हुनका नजिर मे की नीक अछि, की ग्रहणयोग्य अछि आ की सर्वोत्तम अछि, तकरा अहाँ सभ अनुभव सँ जानि जायब।
- रोमी 12:16 आपस में मेल-मिलापक भावना राखू। घमण्डी निह बनू, बल्कि दीन-हीन सभक संगति करू। अपना कैं बड़का बुद्धिआर निह बुझऽ लागू।
- रोमी 14:5 केओ एक दिन केंं दोसर दिन सें नीक मानेत अछि आ दोसर व्यक्ति सभ दिन केंं

- बराबरि बुझैत अछि। एहन विषय सभक्र सम्बन्ध में प्रत्येक व्यक्ति अपना मोन में निश्चय करओ।
- रोमी 15:6 जाहि सँ अहाँ सभ एक मोनक भऽ एक स्वर सँ अपना सभक्र प्रभु यीशु मसीहक परमेश्वर आ पिताक स्तुति करैत रहियनि।
- 1 कोरिन्थी 1:10 यौ भाइ लोकनि, अपना सभक प्रभु यीशु मसीहक नाम सँ हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे अहाँ सभ एकमत भऽ कऽ रहू जाहि सँ आपस मे फूट नहि होअय, बिट्क अहाँ सभक मोन आ विचार मे पूर्ण एकता होअय।
- 1 कोरिन्थी 2:16 किएक तें धर्मशास्त्र में तिखल अछि जे, "प्रभुक सोच-विचार केंं के जनने अछि? हुनकर सत्ताहकार के भऽ सकल अछि?" मुदा अपना सभ केंं तें मसीहक सोच-विचार भेटल अछि।
- 2 कोरिन्थी 7:7 मात्र हुनका अयले सँ निह, बिट्क ओहि उत्साह सँ सेहो जे अहाँ सभ सँ हुनका भेटल छलिन। हमरा देखबाक अहाँ सभक अभिलाषा, अहाँ सभक मानसिक पीड़ा आ हमरा लेल अहाँ सभक जे चिन्ता अछि तकरा सम्बन्ध मे ओ हमरा सभ कैँ कहलिन आ से जानि हमर आनन्द आरो बढल।
- 2 कोरिन्थी 8:12 किएक तँ जँ केओ देबाक तेत इच्छुक अछि तँ ओकरा तग जे किछु छैक तकरा अनुसार दान ग्रहणयोग्य ठहराओत जयतैक, निह कि तकरा अनुसार जे ओकरा तग निह छैक। (1 इतिहास 28:9)
- 2 कोरिन्थी 9:2 किएक तँ हम जनैत छी जे अहाँ सभ सहायता करबाक लेल तत्पर छी। हम मिकदुनिया प्रदेशक विश्वासी सभ लग एहि विषय मे अहाँ सभ पर गर्व करैत कहने छी जे अखाया प्रदेशक विश्वासी सभ एक साल सँ दान देबाक लेल तैयार छिथ। अहाँ सभक तत्परता सँ हुनका सभ मे सँ बहुतो कैं जोस भेटल छिन।
- 2 कोरिन्थी 13:11 यों भाइ लोकनि, आब अन्त में ई जे, आनन्दित रहू, अपना कैं सुधारू, हमर बात सभ पर ध्यान दिअ, आपस में एक मोनक भऽ कऽ शान्तिपूर्बक रहू। तस्वन प्रेम आ शान्ति देबऽ वला परमेश्वर अहाँ सभक संग रहताह।
- इफिसी 4:23 अहाँ सभ केँ ई सिखाओल गेल जे पूर्ण रूप सँ आत्मा और विचार मे नव लोक बनबाक अछि,
- फिलिप्पी 2:2-5 तँ अहाँ सभ एक-दोसर सँ सहमत रहू, एक-दोसर सँ प्रेम करू, एकचित्त रहि एके लक्ष्य राखू और एहि तरहैँ हमर आनन्द पूर्ण करू। 3 स्वार्थपूर्ण अभिलाषा सँ वा अपना कैँ किछु बनयबाक लेल कोनो काज नहि करू, बल्कि नम्र भऽ कऽ दोसर कैँ अपना सँ श्रेष्ठ मानू। 4 अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक लोक अपनेटा नहि, बल्कि दोसरो लोकक हितक ध्यान राखू। 5 अहाँ सभ वैह भावना राखू जे मसीह यीशु मे छलनि—
- फिलिप्पी 4:2 हम यूओदिया आ सुन्तुखे, अहाँ दूनू सँ आग्रहपूर्बक विनती करैत छी जे अहाँ सभ प्रभु मे एक मोनक भऽ कऽ रहू।

- फिलिप्पी 4:7 तस्वन परमेश्वरक शान्ति, जकरा मनुष्य केँ बुझि पौनाइ असम्भव अछि, से अहाँ सभक हृदय आ अहाँ सभक बुद्धि केँ मसीह यीशु मे सुरक्षित राखत। (यशैया 26:3)
- कुतुस्सी 3:12 तेँ अहाँ सभ परमेश्वरक चुनल लोक, हुनकर पवित्र और प्रिय लोक सभ भऽ कऽ, दयातुता, करुणा, नम्रता, कोमलता आ सहनशीलता केँ धारण करू।
- 2 थिसतुनिकी 2:2 केओ जँ ईश्वरीय सम्बाद पयबाक, वा हमरा सभक दिस सँ कोनो सूचना अथवा पत्र प्राप्त करबाक दावा करय जाहि में ई कहल गेल होअय जे प्रभुक अयबाक दिन आबि चुकल अछि, तँ ताहि सँ अहाँ सभ तुरत्ते भ्रम में निह पड़ि जाउ आ ने घबड़ाउ।
- 2 तिमुथियुस 1:7 परमेश्वर तँ अपना सभ कैं डरपोकक आत्मा निह, बित्क सामर्ख, प्रेम आ आत्मसंयमक आत्मा प्रदान क्यने छिथ।
- तीतुस 2:6 तहिना युवक सभ कैं सेहो विचारवान होयबाक लेल समझबिऔक-बुझबिऔक।
- इब्रानी 8:10 प्रभु आगों कहेत छिथ, "आबऽ वता समय मे इस्राएतक वंशक संग हम वचन दऽ कऽ जे विशेष सम्बन्ध स्थापित करब से ई अछि— हम अपन नियम सभ ओकरा सभक मोन मे राखि देबैक आ ओकरा सभक हृदय पर तिखि देबैक। हम ओकरा सभक परमेश्वर रहबैक आ ओ सभ हमर लोक रहत।
- 1 पत्रुस 1:13 एहि तेत अहाँ सभ अपन बुद्धि कैं काज करबाक तेत तैयार करू। अपना पर नियन्त्रण राखू आ पूर्ण रूप सँ अपन आशा ओहि कृपा पर रखने रहू जे यीशु मसीह कैं फेर अयता पर अहाँ सभ पर कयत जायत।
- 1 पत्रुस 5:2 अहाँ सभ सँ हमर अनुरोध ई अछि जे, अहाँ सभक्र जिम्मा मे जे परमेश्वरक भैंड़ा रूपी झुण्ड अछि, तकर अहाँ सभ चरबाह जकाँ रखबारी करू। ओकर देखभाल करू, कोनो दबाब सँ निह, बल्कि जिहना परमेश्वर चाहैत छिथ, तिहना आनन्द सँ करू, और अनुचित लाभक दिष्ट सँ निह करू, बिल्क सेवा करबाक मोन सँ।
- 2 पत्रुस 3:1 प्रिय मित्र सभ, हम अहाँ सभ कैं आब ई दोसर पत्र लिखि रहल छी। हम दूनू पत्र मे किछु बात सभक रमरण दिअबैत अहाँ सभक मोन कैं जागरूक करऽ चाहलहुँ, जाहि सँ अहाँ सभ एहि बात सभक बारे मे ठीक प्रकार सँ सोची।
- याकूब 1:17 प्रत्येक नीक आ उत्तम दान जे अछि, से ऊपर सँ अबैत अछि। सूर्य, चन्द्रमा आ तारा सभक रचनिहार, पिता, जे छाया जकाँ निह बदलैत छिथ, तिनके सँ ई दान सभ भेटैत अछि। (अय्यूब 23:13)
- प्रकाशित-वाक्य 17:9 एकरा बुझबाक लेल विवेकपूर्ण बुद्धिक आवश्यकता अछि। ओ सातटा मूड़ी सातटा पहाड़ अछि जाहि पर ओ स्त्री बैसल अछि।

## **Bad Mind Scriptures**

- मरकुर 7:21 किएक तँ मनुष्यक भीतर में सँ, अर्थात् हृदय में सँ सभ प्रकारक अधलाह बात सभ निकत्तित छैक, जेना गलत विचार सभ, गलत शारीरिक सम्बन्ध, चोरी, हृत्या, परस्त्रीगमन, (इजिक्टल 38:10)
- लूका 12:29 तेँ अहाँ सभ अपन मोन एहि सोच मे निह लगौने रहू जे, हम की खायब और की पीब। एकर चिन्ता मे निह लागल रहू।
- मसीह-दूत 12:20 हेरोद सूर और सीदोनक लोक सभ पर खिसिआयल छलाह। तेँ ओ सभ मिति कऽ हेरोद सँ भैंट करबाक लेल पहुँचल। राजभवनक मुख्यकर्मचारी ब्लास्तुस केँ अपना पक्ष मे कऽ कऽ हुनका माध्यम सँ राजा लग मेल करबाक प्रस्ताव रखलक, कारण ओकरा सभक भोजनक वस्तु हेरोदक देश सँ अबैत छलैक।
- मसीह-दूत 14:2 मुदा जे यहूदी सभ विश्वास निह करऽ चाहलक, से सभ आन जातिक लोक कैं बहकाबऽ लागल आ ओकरा सभक्र मोन में विश्वासी भाय सभक्र प्रति दुश्मनी उत्पन्न कऽ देलकैक।
- रोमी 1:28 एहि तरहेँ ओ सभ जखन परमेश्वरक सत्य-ज्ञान कैँ रखनाइ महत्वपूर्ण निह बुझतक तँ परमेश्वर ओकरा सभ कैँ भ्रष्ट मोनक वश मे छोड़ि देलिथन जाहि सँ ओ सभ अनुचित काज करय,
- रोमी 8:6,7 मानवीय पाप-स्वभावक इच्छा सभ पर मोन लगौनाइक परिणाम अछि मृत्यु, मुदा पवित्र आत्माक इच्छा पर मोन लगौनाइक परिणाम अछि जीवन आ शान्ति, 7 किएक तँ मानवीय पाप-स्वभावक सोच-विचार परमेश्वरक विरोधी अछि। मानवीय स्वभाव तँ परमेश्वरक नियमक अधीन निह अछि आ ने ओकर अधीन भऽ सकैत अछि।
- रोमी 11:20 मानतहुँ। मुदा हुनका सभ केँ अविश्वासेक कारणेँ काटि कऽ अलग कयल गेलनि, आ अहाँ सभ विश्वासक कारण अपन स्थान पर स्थिर छी। तेँ अहंकार नहि करू, बल्कि भय मानू।
- 2 कोरिन्थी 10:5 हम सभ परमेश्वर सम्बन्धी सत्य ज्ञानक विरोध में ठाढ़ होमऽ वला कल्पना सभ और प्रत्येक कुतर्क कैं नष्ट करैत छी आ प्रत्येक विचार कैं बन्दी बना कऽ मसीहक अधीनता में लबैत छी।
- 2 कोरिन्थी 11:3 मुदा हमरा डर होइत अछि जे जहिना साँप हन्वा कैँ अपन कपट सँ बहका देलक तिहना अहाँ सभ में मसीहक प्रति जे निष्कपट आ शुद्ध भवित अछि, तािह सँ अहाँ सभक मोन बहका ने देल जाय।
- इफिसी 2:3 अपना सभ केओ पहिने परमेश्वरक बात निह माननिहार लोक सभ में सिमितित छलहुँ। अपन शरीर आ मोनक इच्छा सभ कैँ तृप्त करैत अपना सभ अपन पापी स्वभावक अभिलाषाक अनुसार जीवन न्यतीत करैत छलहुँ। आन सभ लोक जकाँ अपना सभ सेहो अपन पाप-स्वभावक कारणैँ परमेश्वरक क्रोध भोगऽ जोगरक छलहुँ।
- इफिसी 4:17 तेँ अहाँ सभ केँ हम ई कहुऽ चाहैत छी आ प्रभु केँ साक्षी राखि एहि बात पर जोर दैत छी जे, आब सँ तकरा सभ जकाँ आचरण निह करू जे सभ परमेश्वर केँ निह चिन्हऽ वला जाति

- सभक लोक अछि। ओकरा सभक सोच-विचार निरर्थक छैक,
- कुतुस्सी 1:21 पहिने अहूँ सभ परमेश्वर सँ दूर छतहुँ। अहाँ सभ अपन अधताह विचार-व्यवहारक कारणेँ अपना मोन मे परमेश्वर सँ शत्रुता कयने छतहुँ। (हितोपदेश 21:27; इजिक्छत 23:17)
- कुतुस्सी 2:18 मोन राखू जे अहाँ सभ कैं पुरस्कार पयबाक बात मे अयोग्य ठहरयबाक अधिकार ओहन लोक कैं निह छैक जे सभ ईश्वरीय दर्शन देखबाक धाख जमबैत रहैत अछि, देखाबटी नमता प्रगट करैत अछि, आ कहैत अछि जे स्वर्गदूत सभक पूजा क्यनाइ आवश्यक अछि। ओहन लोक अपन सांसारिक बुद्धिक कारणें बिनु आधारक घमण्ड सें फुलि जाइत अछि,
- 1 थिसलुनिकी 5:14 यों भाइ लोकनि, अहाँ सभ सें हमरा सभक इहो आग्रह अछि जे, आलसी भाय सभ कें चेतावनी दिआ जे केओ हिम्मत हारि लेने छथि, तिनका सभक हिम्मत बढ़ाउ। जे केओ कमजोर छथि तिनका सभक सहायता करू। सभक संग सहनशीलताक व्यवहार करैत धैर्य राखू।
- 2 थिसतुनिकी 2:2 केओ जँ ईश्वरीय सम्बाद पयबाक, वा हमरा सभक दिस सँ कोनो सूचना अथवा पत्र प्राप्त करबाक दावा करय जाहि में ई कहल गेल होअय जे प्रभुक अयबाक दिन आबि चुकल अछि, तँ ताहि सँ अहाँ सभ तुरत्ते भ्रम में निह पड़ि जाउ आ ने घबड़ाउ।
- 1 तिमुथियुस 6:5 और ओहन लोक सभक बीच हरदम झगड़ा होमऽ लगैत छैक, जकर सभक बुद्धि भ्रष्ट भऽ गेल छैक, जे सभ सत्य सँ वंचित भऽ गेल अछि आ जे सभ भक्ति कयनाइ कैं लाभ कमयबाक साधन मानैत अछि।
- 2 तिमुथियुस 3:8 जहिना यन्नेस आ यम्ब्रेस मूसाक विरोध कयलक, तहिना इहो लोक सभ सत्यक विरोध करैत अछि। एकरा सभक बुद्धि भ्रष्ट भऽ गेल छैक और एकरा सभक विश्वास नकती छैक।
- तीतुस 1:15 शुद्ध मोनक लोकक लेल सभ वस्तु शुद्ध अछि मुद्रा जे सभ भ्रष्ट भेल अछि आ प्रभु पर विश्वास निह करैत अछि, तकरा सभक लेल कोनो वस्तु शुद्ध निह, कारण ओकरा सभक मोन आ विवेक दूनू दुषित भऽ गेल छैक।
- इब्रानी 12:3 ओ जे पापी सभक हाथ सँ कतेक घोर विरोध सहलनि तिनका पर ध्यान दिअ, जाहि सँ एना निह होअय जे अहाँ सभ थाकि कऽ हिम्मत हारी।
- याकूब 1:8 कारण, एहन मनुष्य दूमतिया अछि। सभ बात मे ओ अपन मोन आगाँ-पाछाँ करैत रहैत अछि।

Pastor T. John Franklin
Church of Salvation, Healing, and Deliverance
COS-HAD.org